16|1|२५

पत्रावली पेश हुई। अधि.वादी उपा आधि.वादी द्वारा उपस्थित होकर बेवोड़ा प्रस्ताव अनुसार अंतिम किये जाने का निवेदन किया। आधि वादी द्वारा बेवोड़ा प्रस्ताव स्वीकार किया गया। अतः वादी का वाद स्वीकार किया जाकर अंतिम डिक्री किया जाता है। किन्तु निर्णय पृथक से लिखाया जाकर श्रा.मा.२६। अंतिम डिक्री पर्चा जारी हो। पत्रावली मिसल शुमार होकर नम्बर से कम हो।